जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

उदयपुर

Rashtradoot

फोनः- 2418945 फैक्सः- 0294-2410146 वर्षः 32 संख्याः 352 प्रभात उदयपुर, शनिवार 25 अक्टूबर, 2025 आर.जे. 7202 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

समस्तीपुर रैली में नीतीश कुमार मोदी का हाथ पकड़ कर मंच पर बैठे थे

उन्हें पूर्ण विश्वास था कि मोदी उनका हाथ पकड़ कर ऊँचा करेंगे, और नीतीश हमारे मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हैं, की घोषणा करेंगे

- श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। नीतीश कुमार और जदयू को उम्मीद थी कि महागठबंधन द्वारा तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने के बाद, भाजपा कुमार को मुख्यमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करेगी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज समस्तीपुर की एक रैली में उनकी ऐसी तमाम अपेक्षाओं पर पानी फेर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने उत्तर बिहार के इस जिले में कुमार के साथ रैली को संबोधित करते हुए, पार्टी की उसी लाइन पर बने रहे, जिसका उल्लेख कुछ दिन पहले गृह मंत्री अमित शाह ने किया था। प्रधानमंत्री ने कहा, "इस बार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए, सभी पिछले रिकॉर्ड तोड़ेगा। बिहार एनडीए को अपना अब तक का सबसे बड़ा जनादेश देगा।"

- पर ऐसा कुछ नहीं हुआ, मोदी ने भी अमित शाह की बात को दोहराया कि चुनाव के बाद विधायक मुख्यमंत्री चुनेंगे।
- गत बीस वर्षों में नीतीश बिहार का राजनीतिक चेहरा रहे हैं और हर चुनाव में राजनीतिक नेतृत्व उनके हाथ में रहा है, चाहे जदयू, एनडीए के साथ रही हो या महागठबंधन के।
- उनके नेतृत्व को शायद ही किसी ने चुनौती दी, पर, इस बार की उनकी राजनीतिक स्थिति में परिवर्तन सबको नज़र आ रहा है।

यह स्थिति गृह मंत्री द्वारा पहले दी गई लाइन से अलग नहीं है, जब उन्होंने कहा था कि "वे मुख्यमंत्री का उम्मीदवार घोषित करने वाले कौन होते हैं, क्योंकि नेता के चुनाव पर तो निर्वाचित विधायक ही निर्णय लेंगे।

जदयू नेताओं को उम्मीद थी कि प्रधानमंत्री नीतीश कुमार की मुख्यमंत्री पद की उम्मीदवारी को ज्यादा स्पष्ट कर देंगे। मंच पर, कुमार प्रधानमंत्री का हाथ थामे दिखाई दिये, शायद इस उम्मीद में, कि मोदी उनके हाथ को उठाकर यह प्रतीकात्मक रूप से दर्शा देंगे कि वे एनडीए की जीत की स्थिति में मुख्यमंत्री बने रहेंगे। हालांकि, प्रधानमंत्री की ओर से ऐसा कोई समर्थन या पुष्टि नहीं मिलने पर, महागठबंधन के नेताओं को एनडीए के भीतर के मनमुटाव पर खेल खेलने का अवसर मिल गया है, विशेष रूप से भाजपा द्वारा कुमार को अलग करने के प्रयासों के संदर्भ में।

भाजपा नेतृत्व ने अब तक केवल इतना ही कहा है कि एनडीए का चुनाव अभियान नीतीश कुमार के नेतृत्व में लड़ा जा रहा है। यही स्थिति मोदी ने समस्तीपुर में दोहराई, जब उन्होंने याद दिलाया कि 2005 में बिहार ने "जंगल राज" से मुक्ति पाई और "कुमार के नेतृत्व में एनडीए का सुशासन शुरु हुआ।" पिछले 20 वर्षों में, कुमार बिहार का एकदम राजनीतिक चेहरा बने रहे, चाहे जदयू एनडीए के साथ रहा हो, या महागठबंधन के साथ। उनकी नेतृत्व पर कभी सवाल नहीं उठा। लेकिन इस चुनाव में उस स्थिति में एक महत्वपूर्ण बदलाव दिखाई दे रहा है।

राजस्थान को दूसरा स्थान मिलने पर मुख्यमंत्री ने बधाई दी

जयपुर, 24 अक्टूबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राष्ट्रीय पोषण माह-2025 में राजस्थान को देशभर में द्वितीय स्थान प्राप्त होने पर बधाई दी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि जनसहभागिता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं की निष्ठा व मेहनत तथा राज्य सरकार की दूरदर्शी नीतियों का परिणाम है। यह कीर्तिमान सम्पूर्ण प्रदेश के लिए गर्व का विषय है।

- उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पोषण माह-2025 में यह उपलब्धि जन सहभागिता, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व सहायिकाओं की मेहनत से मिली है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में पोषण के क्षेत्र में सुधार हेतु नवाचार किए गए हैं, जिसके तहत पोषण माह 2025 में जागरूकता, सामुदायिक सहभागिता, गृह भ्रमण, पौष्टिक आहार वितरण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परामर्श के लिए व्यापक गतिविधियां आयोजित की गईं।

मुख्यमंत्री ने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं, आशा सहयोगियों और स्थानीय संगठनों का उनके योगदान के लिए आभार भी व्यक्त किया।

अमेरिका के आर्थिक प्रतिबंध का व्यापक असर रूस के ऑयल निर्यात पर दिख रहा है

रूस के टॉप इकोनॉमिक एडवाइज़र दिमीत्रिएव को अमेरिका भेजा गया, वहाँ के वरिष्ठ इकोनॉमिक स्पेशलिस्ट से बात करने

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। डॉनल्ड ट्रंप द्वारा रूसी तेल कंपनियों पर लगाए गए प्रतिबंधों का असर दिखना शुरू हो गया है।

रूस की प्रमुख तेल कंपनियों के साथ व्यापार पर प्रतिबंध की घोषणा के तुरंत बाद, रूस के शीर्ष आर्थिक सलाहकार, अमेरिकी आर्थिक मामलों के वरिष्ठ विशेषज्ञों के साथ आधिकारिक स्तर की वार्ता करने के लिए अमेरिका पहुँच गए हैं।

रूसी अर्थशास्त्री किरिल दिमीत्रिएव, जो राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को सलाह दे रहे हैं, वॉशिंगटन पहुँच गए हैं। उनका यह अमेरिकी दौरा कई जटिल व्यवस्थाओं के साथ सफल हो पाया। दिमीत्रिएव पूर्व में रूस के एक महत्वपूर्ण व्यक्ति और पुतिन व उनके परिवार के मित्र माने जाते रहे हैं और उन पर रूस से बाहर अमेरिका की यात्रा करने पर पाबंदी थी।

अमेरिकी विदेश विभाग को दिमीत्रिएव पर लगे प्रतिबंधों में छूट देनी पड़ी, ताकि प्रशासन उन्हें वाशिंगटन यात्रा के लिए वीज़ा जारी कर सके। इन लोगों को लगा कि दिमीत्रिएव यात्रा इतनी महत्वपूर्ण थी कि उन्हें इस तरह की छूट दी जानी चाहिए। दिमीत्रिएव का जन्म सोवियत यूक्रेन में समाजवादी युग के दौरान हुआ था और उन्होंने रूस में, उसके बाद अमेरिका के हार्वर्ड और फिर स्टैनफर्ड विश्वविद्यालय में शिक्षा प्राप्त की। एक तरह से, दिमीत्रिएव को पश्चिमी वित्तीय जगत का अंदरूनी जानकार कहा जा सकता है। उन्होंने मैकिन्से कंसल्टेंसी विंग के साथ काम किया था और उसके बाद गोल्डमैन सैक्स में निवेश बैंकर के रूप में काम किया। वे निजी क्षेत्र से आने वाले ट्रम्प प्रशासन के कई अधिकारियों जैसी ही भाषा बोलते हैं।

- दिमीत्रिएव हार्वर्ड व स्टैनफर्ड विश्वविद्यालयों में पढ़े हैं, मैकिन्से कंसल्टेंसी और गोल्डमैन सैक्स इनवेस्टमैंट बैंकर कंपनी में भी काम कर चुके हैं।
- वे वो ही भाषा बोलते हैं, जिसका उपयोग ट्रंप के निकटतम इकोनॉमिक अधिकारी भी करते हैं। अमेरिका ने भी दिमीत्रिएव की यात्रा को महत्वपूर्ण मानते हुए वीसा की औपचारिकताएँ ढीली करीं।
- रूस के लिए ऑयल का निर्यात अतिमहत्वपूर्ण है और इसी से प्राप्त धन से वो यूक्रेन युद्ध को फायनैंस कर पाता है।
- रूस की कोशिश है कि जब तक रूस के तेल को बेचने के लिए नये रास्ते नहीं बन जाते, तब तक अमेरिका के सैंक्शन्स पर कुछ ढिलाई रहे।

व्लादिमीर पुतिन तेल प्रतिबंधों के महत्व को समझते हैं और उन्होंने इस फैसले की निंदा की है। रूसी तेल कंपनियाँ यूक्रेन में पुतिन के युद्ध की जीवनरेखा हैं, क्योंकि इन्हीं से लंबे समय तक चलने वाले इतने महंगे युद्ध के लिए धन जुटाया जा रहा है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आँध्र प्रदेश में चलती बस में आग लगी, 20 ज़िंदा जले

हैदराबाद से बैंगलूरु जा रही बस से एक बाइक टकरा गई, जिससे फ्यूल टैंक का ढक्कन खुल गया और आग लग गई

कुरनूल, 24 अक्टूबर। आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के चिन्नातेकुर के निकट एक निजी बस में दोपहिया वाहन से टक्कर के बाद आग लग गई। इस हादसे में 20 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि मरने वालों में बाइक सवार एक व्यक्ति भी शामिल है। हादसे पर पीएम मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शोक जताया है।

प्रारंभिक सूचना के अनुसार, बंगलूरू से हैदराबाद जा रही बस में हादसे के समय करीब 41 लोग सवार थे। इसमें कहा गया है कि टक्कर के बाद मोटरसाइकिल बस के नीचे आ गयी और इसके ईंधन टैंक का ढ क्कन खुल गया, जिससे आग लग गई।

कुरनूल के जिला कलेक्टर डॉ ए सिरी ने बताया, यह दुर्घटना सुबह 3 से 3:10 बजे के बीच हुई, जब बस एक बाइक से टकरा गई, जिससे ईंधन रिसाव हुआ और आग लग गई। कुल 41 यात्रियों में से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है। बाकी 20 में से 11 के शवों की ही अब तक पहचान हो पाई है। बाकी शवों की पहचान के प्रयास जारी हैं। कुरनूल संभाग के पुलिस उप महानिरीक्षक कोया प्रवीण ने बताया, 19 यात्री, दो बच्चे और दो चालक इस दुर्घटना में बाल-बाल बच गए। पुलिस ने बताया कि शॉर्ट सर्किट के कारण बस का दरवाजा जाम हो गया और कुछ ही

- हादसा कुरनूल के चिन्नाटेकुर के पास अल सुबह 3:30 बजे हुआ। प्राइवेट बस में 40 यात्री सवार थे। अभी 11 शवों की ही पहचान हो पाई है, अधिकांश यात्री हैदराबाद के बताए जा रहे हैं।
- पुलिस ने बताया कि आग लगने से शॉर्ट सर्किट हुआ और बस के दरवाजे जाम हो गए और कुछ ही मिनटों में बस जलकर खाक हो गई।
- पुलिस ने बताया, हादसे में 21 यात्रियों को बचा लिया गया है, जिनमें दो बच्चे व दोनों ड्राइवर शामिल थे। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देश पर हैल्पलाइन शुरु की गई है।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घटना पर शोक जताया। प्रधानमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 2 लाख रूपए व घायलों को 50,000 रूपए सहायता राशि देने की घोषणा की।
- आँध्र प्रदेश पुलिस सूत्रों ने बताया, दोनों फरार ड्राइवर हिरासत में ले लिए गए हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल ने सीताराम केसरी को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि दी

नयी दिल्ली, 24 अक्टूबर। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष तथा लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पार्टी के पूर्व अध्यक्ष स्व. सीताराम केसरी को उनकी 25वीं पुण्यतिथि पर शुक्रवार को नमन करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

- 25 साल में पहली बार है जब राहुल गांधी ने सीताराम केसरी को श्रद्धांजलि दी है। बिहार के दिग्गज नेता रहे केसरी 1996 से 1998 तक कांग्रेस अध्यक्ष रहे थे।

गांधी ने यहां पार्टी मुख्यालय 24 अकबर रोड में केसरी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किए। केसरी लंबे समय तक कांग्रेस के कोषाध्यक्ष रहे। पूर्व केन्द्रीय मंत्री सीताराम केसरी 1996 से 1998 तक कांग्रेस अध्यक्ष भी रहे। उनका निधन 24 अक्टूबर 2000 को हुआ था।

केसरी बिहार कांग्रेस के दिग्गज नेताओं में से एक रहे हैं। बिहार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोदी ने बेगुसराय की रैली में कांग्रेस व आरजेडी के ग्रुप को "लट्ठबंधन" बताया

उन्होंने यह भी कटाक्ष किया कि बिहार को आरजेडी की लालटेन (चुनाव चिह्न) की जरूरत नहीं हैं, क्योंकि अब सबके मोबाइल में फ्लैश लाईट की सुविधा है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 24 अक्टूबर। प्रधानमंत्री मोदी ने शुक्रवार को बिहार में चुनाव प्रचार की शुरुआत की, जहाँ उन्होंने समस्तीपुर और बेगुसराय में दो सार्वजनिक रैलियों को संबोधित किया।

बेगुसराय में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि बिहार में चुनावी लड़ाई एनडीए और "लठबंधन" के बीच है।

उन्होंने कहा कि जंगल राज के नेताओं को केवल अपनी परिवारों की चिंता थी और उन्होंने बिहार के युवाओं के जीवन को नष्ट कर दिया, जबकि वर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अगुवाई में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) ने राज्य को समृद्ध किया।

- मोदी ने इसी आक्रामक स्वर में आगे यह भी कहा, रैली में, कि आरजेडी ही जिम्मेदार है बिहार के युवाओं के बिहार से पलायन के लिए।
- मोदी ने यह भी कटाक्ष किया रैली में, कि गत दो दशकों में आरजेडी ने कोई चुनाव नहीं जीता है, पर, अभी भी उनका अभिमान आसमान छू रहा है और इसी के कारण झारखंड मुक्ति मोर्चा ने महागठबंधन की सदस्यता छोड़कर चुनाव में हिस्सा नहीं लेने का फैसला किया है।

बिहार के बेगुसराय में अपनी दूसरी रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि राज्य के लोगों को अब लालटेन (राजद का चुनाव चिन्ह) की जरूरत नहीं है, क्योंकि उनके पास अब मोबाइल फोन में टॉर्च है। उन्होंने कहा कि राजद बिहार से युवाओं के पलायन के लिए भी जिम्मेदार है।

उन्होंने कहा कि एनडीए ने जंगल राज को समाप्त किया और राज्य में अच्छे शासन को लाया। उन्होंने कहा कि इस बार बिहार में मुकाबला सत्तारूढ़ "गठबंधन और महागठबंधन" के बीच है। प्रधानमंत्री ने कहा, "आप सभी को याद रखना चाहिए कि राजद-कांग्रेस का नाम लेते ही निवेशक भाग जाते हैं। जो लोग नौकरियों के नाम पर गरीबों से ज़मीनें छीनते हैं, वो कभी आपको रोजगार नहीं देंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अगुवाई वाले झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के बिहार चुनाव से अपने छह उम्मीदवारों को वापस लेने के फैसले को लेकर भी आरजेडी पर हमला बोला और कहा, झामुमो ने लालू प्रसाद यादव की पार्टी के अहंकार और अक्खड़पन के कारण महागठबंधन छोड़ दिया।

जानकारी के लिए बता दें कि झामुमो ने छह उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था, लेकिन अब उसने कहा है कि राजद और कांग्रेस की राजनीतिक साजिश के कारण अब वह चुनाव नहीं लड़ेगा। झामुमो ने यह भी घोषणा की है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)